अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–(जीव-अजीव–40)

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

जीव : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव को भूत क्यों कहा गया है?

(ख) स्वामीजी ने जीव की क्या परिभाषा दी?

(ग) भाव जीव किसे कहते हैं?

(घ) हिंडुक का क्या अर्थ है?

(ङ) जीव का नाम पुद्गल क्यों है?

अजीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) जीव और पुद्गल की गति लोक के बाहर क्यों नहीं हो सकती?

(छ) छाया किसे कहते है?

(ज) 'पुद्गल परावर्त्त' किसे कहते हैं?

(झ) धर्म-अधर्म व आकाश के प्रदेशों के माप का आधार क्या है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) जीव को विकर्त्ता किस अपेक्षा से कहा गया है?

अथवा

परिणामी नित्य से क्या तात्पर्य है।

(ख) एक साथ रहते हुए भी पांचों द्रव्यों का स्वतंत्र अस्तित्व कैसे?

अथवा

पैंतालीस लाख योजन का क्रम क्या है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) सिद्ध करें कि आत्मा-शरीर व इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतंत्र द्रव्य है।

अथवा

जीव द्रव्य कैसे हैं? तथा भगवती सूत्र में जीव के कितने नाम हैं? बतायें।

(ख) धर्म-अधर्म और आकाश के लक्षण व पर्याय लिखें।

अथवा

पुद्गल की गतिशीलता को सिद्ध करें।

अवबोध (जीव से संवर)–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 7

(क) योग आश्रव की जनक प्रकृतियां कौन-कौन सी हैं?

(ख) मिथ्यात्व आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

(ग) पाप की आवन्तर प्रकृतियां कितनी हैं?

(घ) पापानुबंधी पाप की स्थिति में जीव का उत्थान कैसे संभव है?

(ङ) ऋषभनाराच संहनन किसे कहते हैं?

(च) अचित्त महास्कन्ध चतुःस्पर्शी होता है या अष्टस्पर्शी?

(छ) एक जीव के आत्म प्रदेश ज्यादा से ज्यादा कितने लोक को रोकते हैं?

(ज) सिद्धों में संवर क्यों नहीं माना गया?

(झ) वर्गणा चतुःस्पर्शी कितनी व अष्टस्पर्शी कितनी?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) आगम सम्मत पंडित और बाल का संबंध संवर से है या निर्जरा से?

(ख) अशुभ योग तो सातवें गुणस्थान में रूक जाता है फिर अयोग संवर चौदहवें गुणस्थान में ही क्यों?

(ग) बंधन क्षय और बंधन कारक इन दोनों की निष्पत्ति एक ही क्रिया से कैसे संभव होगी?

(घ) क्या सभी जीवों को पर्याप्त होना जरूरी है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) एकेन्द्रिय में जीवन है इस संदर्भ में विज्ञान कहां तक पहुंचा है?

(ख) अजीव के सर्वाधिक कितने प्रकार हैं?

(ग) उत्पन्न होने वाला जीव ओज आहार के सहारे बढ़ता है या अन्य आहार भी ग्रहण करता है?

(घ) पुण्य बंध की इच्छा करनी चाहिये या नहीं तथा मोक्ष प्राप्ति में पुण्य साधक या बाधक तत्त्व है?

अमृत कलश भाग-3 (छठा-सातवां चषक तप को छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) सम्यक्त्वी श्रावक में कौन सा गुणस्थान है?

(ख) आवश्यक सूत्र कितने अंग वाला है?

(ग) सम्यक्त्व प्राप्ति के कितने हेतु हैं नाम लिखें?

(घ) क्या सम्यक्त्वी के अकाम निर्जरा होती है?

(ङ) णमो अरहंताणं का ध्यान किस केन्द्र पर किस रंग के साथ किया जाता है?

(च) अहर्त्त वंदना का आधार क्या है?

(छ) क्या व्यवहार राशि में आने के बाद जीव पुनः अव्यवहार राशि में जा सकता है?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दें– 10

(क) णमोकार मंत्र को महामंत्र क्यों कहा गया है?

(ख) सिद्ध की उपासना कैसे हो सकती है?

(ग) सुलभ बोधि श्रावक किसे कहते हैं?

(घ) अव्यवहार राशि में कौन से जीव आते हैं?

(ङ) श्रावक कौन होता है?

(च) ज्ञान, दर्शन, चारित्र में प्रधानता किसको दी गई है?

(छ) प्रार्थना के स्थान पर वन्दना शब्द का प्रयोग क्यों?

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 15

(क) वर्तमान में सच्चे साधु कौन हैं?

(ख) आचार्य के लिये कितनी कसौटियां का निर्देश किया गया है?

(ग) सामायिक के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव समझाएं।

(घ) श्रमणोपासक की धार्मिक दिनचर्या कैसी होनी चाहिए?

(ङ) अव्यवहार राशि से क्या तात्पर्य है?